पूर्णियाँ विश्वविद्यालय पूर्णियाँ, बिहार
समाज विज्ञान संकाय (समाजशास्त्र)
कार्य विवरण : 01
प्रथम प्रगति रिपोर्ट

शोध छात्रा का नाम	:	अंजली कुमारी
निबंधन संख्या	:	**PHDPU20SOC01**
पंजीकरण की प्रभावी तिथि	:	**16-01-2020**
पर्यवेक्षिका का नाम	:	डॉ. बीनू पाठक
शोध का विषय	:	डिजिटल इंडिया का ग्रामीण जीवन पर प्रभाव विशेषत: कटिहार जिला के संदर्भ में एक समाजशास्त्रीय अध्ययन ।

समयविधि : फरवरी 2021 से अप्रैल 2021

इस अवधि में मैंने शोध कार्य के प्रथम अध्याय "प्रस्तावना" की आरंभ किया ।

शोध के आरंभ में विभिन्न प्रखंडो तथा प्रखंडो के अन्तर्गत प्रमुख पंचायतो का सर्वेक्षण किया गया हैं। लोगों से सर्म्पक एंव संवाद स्थापित किया गया हैं। डिजिटल इंडिया के संबंध में आरंभिक सूचनाओं का संकलन किया गया हैं। अन्तत: बहुस्तरीय निदर्शन पद्धति के आधार पर मनिहारी अनुमंडल के दिलावरपुर ग्राम पंचायत का चयन किया गया हैं। दिलावरपुर ग्राम पंचायत के ग्रामवासी प्राकृतिक विपदाओं से जुझते रहते हैं। लगभग हर साल बाढ की विभिसिका से लोग त्रस्त रहते हैं। बाढ के समय में बिजली की आपुर्ति भी सकेटग्रस्त होता है। फलत: बाढ की समस्या डिजिटल इंडिया के संदर्भ में एक गंभीर अवरोध हैं। इस क्षेत्र में मछली का उत्पाद तुलनात्मक रूप में अधिक होता हैं। विभिन्न जाति , धर्म तथा सम्प्रदाय के लोग इस क्षेत्र में निवास करते हैं। लोगो में गीत-संगीत तथा धार्मिक उत्सवों के प्राति अधिक अभिरूचि हैं। उघोग का अभाव हैं। परन्तु सभी घरों में मोबाइल का उपयोग होता हैं। राजनीतिक चेतना बहुत अधिक हैं। विघालयों में भी तथा महाविघालयों में भी कम्प्यूटर आदि की व्यवस्था की गयी हैं। लोग अपने-अपने स्तर से पेटिएम , एटिएम , डेबिटकार्ड, क्रेडिटकार्ड , आधार ऐप , भीम ऐप , व्हाट्सएप , यूटयब आदि का उपयोग भारी संख्या में दिलावरपुर पंचायत में हो रहा हैं।

अनुसूची के आधार पर साक्षात्कार के जरिए उत्तरदात्रियों से तथ्यों तथा सूचनाओं का संकलन किया गया हैं। अनौपचारिक साक्षात्कार का भी उपयोग किया गया हैं। क्षेत्र में जाने पर अन्य संबंधित व्यक्तियों से भी जानकारी हासिल किया गया हैं। क्षेत्रीय अध्ययन के दौरान अनुसंधान डायरी में प्रतिदिन की घटनाओं को संकादीत किया गया हैं। समय-समय पर कई कठिनाईयाँ भी उत्पन्न हुई।

परन्तु एव समझदारी के साथ इन कठिनाईयों का समाधान किया गया है। अत: उत्तरदात्रियों से
रिपोर्ट की स्थापना किया गया है। उनसे यह कहा गया कि अध्ययन का उद्देश्य अकादमिक है तथा
सभी तथ्यों को गोपनीय रखा जाएगा। विनम्रता पूर्वक उनसे बात किया गया है । उनका स्नेह प्राप्त
किया गया है। इस प्रकार क्षेत्रीय अध्ययन के आधार पर महत्तवपूर्ण . प्रामाणिक एवं वस्तुनिष्ठ तथ्यों
का सकलन किया गया है। अध्ययन क्षेत्र में समय-समय पर कई प्रकार की कठिनाइयाँ उत्पन्न हुई है।
परन्तु सूझ-बूझ के साथ उत्तरदात्रियों से तथ्य संकलन में सफलता हासिल की गयी है।

शोध निर्देशिका का हस्ताक्षर

Anjali Kumari

शोधार्थी का हस्ताक्षर

पूर्णियाँ विश्वविद्यालय पूर्णियाँ, बिहार
समाज विज्ञान संकाय (समाजशास्त्र)
कार्य विवरण : 02
द्वितीय प्रगति रिपोर्ट

शोध छात्रा का नाम	:	अंजली कुमारी
निबंधन संख्या	:	**PHDPU20SOC01**
पंजीकरण की प्रभावी तिथि	:	**16-01-2020**
पर्यवेक्षिका का नाम	:	डॉ. बीनू पाठक
शोध का विषय	:	डिजिटल इंडिया का ग्रामीण जीवन पर प्रभाव विशेषत: कटिहार जिला के संदर्भ में एक समाजशास्त्रीय अध्ययन ।

समयविधि : मई 2021 से अगस्त 2021

इस अवधि में मैंने शोध कार्य के द्वितीय अध्याय "डिजिटल इंडिया : शैक्षिक आधार पर ग्रामीण जीवन पर प्रभाव" को आरंभ किया।

वर्तमान समाज ज्ञान का समाज है। हर तरफ शिक्षा का वर्चस्व है। बिना शिक्षा के आज के युग में जिंदगी गुजारना बहुत ही मुशिकिल कार्य है। जाहिर है कि शिक्षा ने ही लोगों के विकास का आयाम को खोला हैं। शिक्षा के कारण ही विकास की सीढी को तेजी से चढते जा रहे है। अध्ययन के दौरान अधिकांश उत्तरदाताओं का सकारात्मक उत्तर पाया गया।
संचार साधन के कारण शिक्षण पद्वति में बहुत ही ज्यादा परिवर्तन देखने को मिल रहा हैं। संचार साधन के कारण ही बच्चे इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। रोजाना दुनिया में हो रहे बदलाव को वह घर बैठे इंटरनेट के जरिए जान लेते हैं। किसी भी महत्त्वपूर्ण चीज की जानकारी लेने के लिए इंटरनेट पर विकीपिडिया के जरिए उसके संबंध में संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर लेते हैं। जाहिर है कि इनसे उनका बौद्धिक विकास में बहुत ही तेजी हुआ हैं। सोचने समझने की शक्ति में भी वृद्धि हुई हैं।

अध्ययन के दौरान 59 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि संचार साधनों के कारण विपरण के क्षेत्र में भी बहुत तेजी से विकास हुआ हैं। इसके विपरीत 41 प्रतिशत उत्तरदाताओं को इस संबंध में विशेष जानकारी प्राप्त नहीं थी।
संचार साधन के कारण शिक्षा का परंपरागत स्वरूप बदल गया है। संचार साधन के कारण ही बच्चों को कंप्यूटर की शिक्षा दी जा रही हैं। उनको ई–लाइब्रेरी का फायदा प्राप्त हो रहा है। कॉन्वेंट स्कूलों में उनको प्रोजेक्टर के द्वारा शिक्षा प्रदान की जा रही हैं। 70 प्रतिशत उत्तरदाताओं का सकारात्मक उत्तर पाया गया। उत्तरदाताओं के शैक्षणिक स्तर के विवेचन से स्पष्ट होता है कि तकनीकी शिक्षा के प्रति भी पुरूषों में आकर्षण का अनुभव किया गया। 14 प्रतिशत उत्तरदाताओं का शैक्षणिक उपलब्धि तकनीकी शिक्षा से जुड़ा हुआ था। स्नातक, तथा स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त पुरूषों की संख्या संतोषजनक पाया गया।

Binu Pathak
शोध निर्देशिका का हस्ताक्षर

Anjali Kumari
शोधार्थी का हस्ताक्षर

पूर्णियाँ विश्वविद्यालय पूर्णियाँ, बिहार
समाज विज्ञान संकाय (समाजशास्त्र)
कार्य विवरण : 03
तृतीय प्रगति रिपोर्ट

शोध छात्रा का नाम	:	अंजली कुमारी
निबंधन संख्या	:	PHDPU20SOC01
पंजीकरण की प्रभावी तिथि	:	16-01-2020
पर्यवेक्षिका का नाम	:	डॉ. बी.बू पाठक
शोध का विषय	:	डिजिटल इंडिया का ग्रामीण जीवन पर प्रभाव विशेषत: कटिहार जिला के संदर्भ में एक समाजशास्त्रीय अध्ययन ।

समयविधि : सितंबर 2021 से दिसम्बर 2021

इस अवधि में मैंने शोध कार्य के तृतीय अध्याय "डिजिटल इंडिया : रोजगार के आधार पर ग्रामीण जीवन पर प्रभाव" को आरंभ किया।

मनिहारी अनुमंडल के ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ के कारण सड़क तथा परिवहन का मार्ग छतिग्रस्त हो जाता है। परन्तु अध्ययन क्षेत्र दिलावरपुर पहुँचने के बाद एक शिक्षक के दरवाजे पर गया। उनसे सूचना प्राप्त हुई कि इस गाँव में भी ऑनलाइन तथा सोसल मिडिया का लाभ अधिकांश लोग ले रहे हैं। गाँव से कुछ दूरी पर एक व्यवस्थित साइबर केफे है। फलतः इंटरनेट का सारा लाभ वहाँ मिल जाता है। जाहिर है कि अधिकांश उत्तरदाताओं ने सवाल पूछने पर सहज रूप में सकारात्कम उत्तर दिया।

दिलावरपुर के उत्तरदाताओं ने गर्व के साथ कहा कि इस गाँव के तीन लड़के अपने ही घर पर कम्प्यूटर और इंटरनेट की व्यवस्था रखते हैं। इससे गाँव के लोगों को पैसा जमा करने तथा पैसा निकालने में सुविधा हो रही है। लड़के सुबह से शाम तक काम करते रहते है। एक लड़के का कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र भी चलता है। इस प्रकार उन्हें घर में ही सुचनाक्रांति के कारण रोजगार मिल गया हैं। ऑनलाइन से भी लोग लाभ उठा रहे हैं। इतनी आमदनी हो जाती है कि अपना तथा पूरी घर का भरण–पोषण हो जाता है।

गाँव में पूर्व वंशज के खतियान, खरीद–बिक्री से संबंधित कागजात तथा गाँव संबंधित मुकदमा आदि की सूचना ऑनलाइन प्राप्त होती है। इस क्षेत्र में भी रोजगार की संभावना बढ़ती जा रही है। अधिकतर उत्तरदाताओं का मत सकारात्मक है। कुछ उत्तरदाताओं का मत नकारात्मक भी पाया गया है। निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि रोजगार में संख्यात्मक वृद्धि हो रही है।

Anjali Kumari

शोध निर्देशिका का हस्ताक्षर

शोधार्थी का हस्ताक्षर

पूर्णियाँ विश्वविद्यालय पूर्णियाँ, बिहार
समाज विज्ञान संकाय (समाजशास्त्र)
कार्य विवरण : 04
चतुर्थ प्रगति रिपोर्ट

शोध छात्रा का नाम	:	अंजली कुमारी
निबंधन संख्या	:	PHDPU20SOC01
पंजीकरण की प्रभावी तिथि	:	16-01-2020
पर्यवेक्षिका का नाम	:	डॉ. बी.पू पाठक
शोध का विषय	:	डिजिटल इंडिया का ग्रामीण जीवन पर प्रभाव विशेषत: कटिहार जिला के संदर्भ में एक समाजशास्त्रीय अध्ययन ।

समयविधि : जनवरी 2022 से मार्च 2022

इस अवधि में मैंने शोध कार्य के चतुर्थ अध्याय "डिजिटल इंडिया : आय के आधार पर ग्रामीण जीवन पर प्रभाव" को आरंभ किया।

जाहिर है कि संचार साधन के कारण ही उत्पादन की नई तकनीक आई है। उत्पादन की प्रक्रिया में तीव्रता आयी है। उत्पादन में भी अब नई वैज्ञानिक पद्धतियों का उपयोग किया जा रहा है। बड़े–बड़े मशीनोंका उपयोग हो रहा है। जिससे कि कम समय में उत्पादन ज्यादा किया जा सके। अधिकांश उत्तरदाताओं का सकारात्मक उत्तर पाया गया।

अध्ययन के दौरान 79 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया कि स्वचलन के कारण उत्पादन के तकनीक में एवं अन्य क्षेत्रों में तेजी से सीमित साधन में काम हो रहा है। इसके विपरीत 21 प्रतिशत उत्तरदाताओं का नकारात्मक उत्तर पाया गया।

औद्योगिक समाज में भावनाओं का कोई महत्व नहीं होता है। औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया विज्ञान तथा वैज्ञानिक तकनिक पर आधारित हैं। विवेकीकरण की प्रक्रिया का स्पष्ट संबंध औद्योगिक समाज के साथ जुड़ा हुआ है। आधुनिक समाज के उदय तथा विकास के कारण उत्पादन की पद्वति में परिवर्तन हुआ हैं। अध्ययन के दौरान अधिकांश उत्तरदाताओं का सकारात्मक उत्तर पाया गया।

संचार साधनों के कारण कृषि क्षेत्र में भी आधुनिकीकरण का अनुभव किया जा सकता है। संचार साधनों के कारण ही किसानों को मोबाईल के जरिए हर हमेशा कृषि से जूड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जाती है ताकि किसान उनपर अमल करके अच्छी उपज कर सके। किसानों को अब पानी पटाने के लिए केवल बारिश पर ही निर्भर नहीं रहना पड़ता है। वह दमकल का उपयोग करने लगे हैं। हर–बैल की जगह ट्रैक्टर का उपयोग किया जा रहा है।

Bina Pathak
शोध निर्देशिका का हस्ताक्षर

Anjali Kumari
शोधार्थी का हस्ताक्षर

पूर्णियाँ विश्वविद्यालय पूर्णियाँ बिहार
समाज विज्ञान संकाय (समाजशास्त्र)
कार्य विवरण : 05
पंचम प्रगति रिपोर्ट

शोध छात्रा का नाम	:	अंजली कुमारी
निबंधन संख्या	:	PHDPU20SOC01
पंजीकरण की प्रभावी तिथि	:	16-01-2020
पर्यवेक्षिका का नाम	:	डॉ. बी.नू पाठक
शोध का विषय	:	डिजिटल इंडिया का ग्रामीण जीवन पर प्रभाव विशेषत: कटिहार जिला के संदर्भ में एक समाजशास्त्रीय अध्ययन ।

समयविधि : अप्रैल 2022 से जून 2022

इस अवधि में मैंने शोध कार्य के पंचम अध्याय "डिजिटल इंडिया : स्वास्थ्य के आधार पर ग्रामीण जीवन पर प्रभाव" को आरंभ किया।

अध्ययन के दौरान 60 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया कि संचार तकनीकों के कारण स्वास्थ्य के क्षेत्र में गतिशीलता में वृद्धि हुई है। संचार तकनीकी के कारण ही अब लोग एक जगह से दूसरे जगह महीनों का सफर घंटों में तय कर लेते हैं। इसके विपरीत 40 प्रतिशत उत्तरदाताओं का नकारात्मक उत्तर पाया गया।

स्वास्थ्य सेवा में सूचना तकनीक के उपयोग के बावजूद गरीब मरीजों को हॉस्पीटल आदि में बिचौलियों के कारण परेशान किया जाता है। अध्ययन के दौरान 54 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया कि संचार तकनीकों के कारण राजनीतिक उथल–पुथल के क्षेत्र में भी तीव्र गतिशीलता हो रहा है। जबकि 46 प्रतिशत उत्तरदाताओं का नकारात्मक उत्तर पाया गया।

मनिहारी प्रखंड के दिलावरपुर गाँव के गरीब लोगों की बस्ती में जानकारी मिली कि कम्पाउडर के जरिये ही मरिजो का इलाज करवा पाते हैं। ओझा-गुणी, जाड़–फूक तथा होमियोपैथी इलाज पर गरीबों को अधिक विश्वास है। परन्तु कम्पाउंडर, दवा दुकानदार तथा अन्य संबंधित लोग ऑनलाइन पेमेन्ट खुशी–खुशी ले लेते हैं।

Bimu Pathak

शोध निर्देशिका का हस्ताक्षर

Anjali Kumari

शोधार्थी का हस्ताक्षर

पूर्णियाँ विश्वविद्यालय पूर्णियाँ, बिहार
समाज विज्ञान संकाय (समाजशास्त्र)
कार्य विवरण : 06
षष्ठ प्रगति रिपोर्ट

शोध छात्रा का नाम	:	अंजली कुमारी
निबंधन संख्या	:	PHDPU20SOC01
पंजीकरण की प्रभावी तिथि	:	16-01-2020
पर्यवेक्षिका का नाम	:	डॉ. बीनू पाठक
शोध का विषय	:	डिजिटल इंडिया का ग्रामीण जीवन पर प्रभाव विशेषत: कटिहार जिला के संदर्भ में एक समाजशास्त्रीय अध्ययन ।

समयविधि : जुलाई 2022 से अक्टूबर 2022

इस अवधि में मैंने शोध कार्य के षष्ठ अध्याय "डिजिटल इंडिया : दैनिक जीवन के आधार पर ग्रामीण जीवन पर प्रभाव" तथा सप्तम अध्याय "शोध अध्ययन की उपलब्धियाँ निष्कर्ष एवं सुझाव" को आरंभ किया।

अध्ययन के दौरान हमनें षष्ठ अध्याय में पाया कि जनसंचार रोजगार पैदा करने और गरीबी घटाने में योगदान दे सकती है। ये प्रौद्योगिकियाँ क्षेत्र एवं भौगोलिक स्थिति में रहकर आर्थिक उत्पादकता बढाती है। उदाहरण के लिए ये ग्रामीण उत्पादनशीलता बढ़ा सकती है। ये प्रौद्योगिकियाँ स्थानीय लोगों और समुदायों के बीच समस्या–समाधान का लाभ परस्पर बाँटने में मदद करती है, उदाहरण के लिए मौसम के रूख का विवरण एवं खेती के सर्वोत्तम तरीके विषयक व्यावहारिक जानकारी सुलभता प्रदान करना। संचार नेटवर्कों के माध्यम से बाजार प्रदान की समयबद्ध शुलभता प्रदान करना। संचार नेटवर्कों के माध्यम से बाजार सूचना को समयबद्ध शुलभता भी किसानों को उचित निर्णय लेने में मदद करती है, जैसे कौन सी फसलें बोयें और अपनी उपज कहाँ बेचे व खरीदे। सूचनाएं एवं संचार प्रौद्योगिकियों ने व्यापार–प्रक्रिया दक्षता उत्पादकता सुधारने में सक्षम किया।

संचार साधन ने सारी दुनिया को मुठ्ठी में समेट कर रख दिया है। उसने दुनिया को एक ग्लोबल विलेज बना दिया है। किसी भी चीज की जानकारी इंटरनेट के जरिए पलक झपकते ही प्राप्त हो जाती है। दुनिया के इस कोने में बैठे हुए व्यक्ति को दुनिया के उस कोने में बैठें हुए व्यक्ति आमने–सामने विडियो कॉन्फ्रेसिंग की मदद से ऐसे बात करते है जैसे कि एक ही साथ बैठकर बात कर रहे हो।

Binu Pathak
शोध निर्देशिका का हस्ताक्षर

Anjali Kumari
शोधार्थी का हस्ताक्षर